कलयुग का रंग सांवरे | by Mona Mehta

कलयुग का है रंग चढ़ा हर तरफ मची है जंग
असर देख इस कलयुग का मेरा श्याम भी रह गया दंग

मोरछड़ी और नीले में ये जंग छिड़ी है भारी
है हम दोनों में कौन बड़ा तुम बोलो ये गिरधारी

सांवरिया अपने हाथों से खुद मुझको लहराते हैं
मेरा झाड़ा लगवाने को बड़े बड़े झुक जाते हैं
मेरे आगे नीले बोलो क्या औकात तुम्हारी
है हम दोनों में कौन बड़ा तुम बोलो ये गिरधारी

नीला बोला मोरछड़ी से नहीं ज्यादा इतराते हैं
मुझपे ही तो बैठ सांवरा भक्तों के घर जाते हैं
श्याम धणी को सबसे प्यारी नीले की असवारी
है हम दोनों में कौन बड़ा तुम बोलो ये गिरधारी

श्याम धणी के मोर मुकुट में मेरा हर दम वास है
शिखर ध्वजा में भी मैं ऊपर तू चरणों का दास है
सांवरिया को लगती हूँ मैं सबसे ज्यादा प्यारी
है हम दोनों में कौन बड़ा तुम बोलो ये गिरधारी

नीला बोला माना के मैं श्याम चरण का दास हूँ
श्याम प्रभु का सेवक हूँ बस इसीलिए तो ख़ास हूँ
तुमसे पहले श्याम प्रेमियों में पहचान हमारी
है हम दोनों में कौन बड़ा तुम बोलो ये गिरधारी

इन दोनों की लड़ाई देख के श्याम कुंड भी कहाँ पीछे रहने वाले थे

तुम दोनों से पहले सुनलो नाम मेरा ही आता है
खाटू आने वाला पहले श्याम कुंड में नहाता है
तुम दोनों से मैं हूँ बड़ा ये जाने दुनिया सारी
है हम तीनो में कौन बड़ा तुम बोलो अब गिरधारी

बोले सांवरा मेरे लिए तुम तीनो एक सामान हो
अपनी अपनी जगह बड़े तुम तीनो बड़े महान हो
मैं तुमसे और तुम मुझसे यूँ बोले श्याम बिहारी
कहे भीमसेन तुमपे सांवरा जाऊं मैं बलिहारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b2%e0%a4%af%e0%a5%81%e0%a4%97-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-mona-mehta/